GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
WORLD BOOK & COPYRIGHT DAY

23rd April, 2022, Main Library, Bhuda Campus

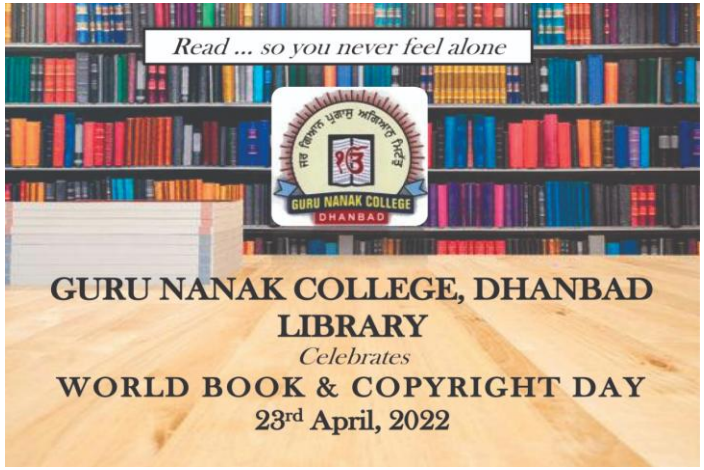

Celebration of World Book and Copyright Day was organised by the main library of Guru Nanak College, Dhanbad on 23rd April, 2022. In the year 1995, UNESCO decided to celebrate 23 April as World Book and Copyright Day, since then this day became historic for literature and was celebrated every year. The importance of this date increases due to April 23 being the birthday and death anniversary of many famous litterateurs. The program of the college included programs like book exhibition, literary exhibition, open mic session and documentary screening in which students and teachers participated enthusiastically. The aim of the event was to inspire people to read, as the theme given by UNESCO this year was – "Read… So You Never Feel Alone". After the formal start of the program, Dr. Sanjay Prasad, Principal of the college read the introductory note and talked about the importance and significance of reading, highlighting the importance of celebrating such a day.

In the next phase of the program, students performed open mic, which included Shreya Sural, Jyoti Jaiswal, Kusum Kumari, Sanya Naaz, Afshan Parveen, Shruti Srivastava, Avinandan Bhandari, Arunima Konar, Srishti Singh and Swarnim Dey. This was followed by a documentary screening for all in which Indian novelist and translator Bhaswati Ghosh, Indian poet and educationist Dr Basudhara Roy and Prof Salihu T Salihu from Nigeria spoke on "Reading Matters". Taking the function forward, the President of the Governing Body of the College, Sardar R.S. Chahal in his speech talked at length on the importance of books and gave his views on the value of reading, and also talked about the role of literature in society. Dr. Neeta Ojha also shared her views on the need of reading, presenting Gandhi as a voracious reader. A Book and Poster exhibition was set up as the last part of the event making it more interactive. Prof Amarjit Singh proposed the vote of thanks. The session ended with national anthem. The program was conceptualized, organized and compered by Dr. Varsha Singh and Ms. Nusrat Parveen.

Dr. Gopal Shandilya, Prof. Sanjay Kumar Sinha, Prof. Santosh Kumar, Dr. Meena Malkhandi, Prof. Deepak Kumar, Prof. Daljit Singh, Prof. Chiranjit Adhikari, Prof. Piyush Aggarwal, Prof. Sonu Prasad, Prof. Sadhna Singh, Prof. Anuradha, Ghanishtha Verma, Surabhi Kashyap along with all the teachers, non-teaching staff and students participated in the event. Many students including Bhumi, Shreya, Aransha Baranwal, Kusum Kumari and Deepak made major contributions in the successful coordination of the programme.

Gallery

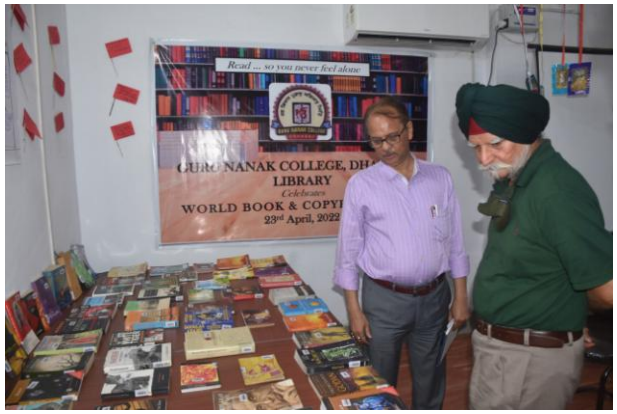

Press Coverage:

हिन्दुस्तान

छात्र-छात्राएं किताबों के महत्व को समझें

जीएन कॉलेज

शनिवार को गुरुनानक कॉलेज में कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक।

धनबाद, मुख्य संवाददाता। गुरुनानक कॉलेज शासी निकाय अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने कहा कि छात्र-छात्राएं किताबों के महत्व को समझें। अधिक से अधिक किताबें पढ़ें। उन्होंने समाज में साहित्य की भूमिका पर बात की। गुरुनानक कॉलेज धनबाद में पुस्तकालय की ओर से वर्ल्ड बुक एंड कॉपीराइट डे का आयोजन हुआ। आरएस चहल ने पुस्तकों की अहमियत पर विस्तार से बात की।

प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने ऐसे दिवस मनाए जाने के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए पढ़ने के प्रभाव और सार्थकता के बारे में बात की। छात्र-छात्राओं ने ओपेन माइक कार्यक्रम प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। उपन्यासकार व अनुवादक भास्वती घोष, कवि व शिक्षाविद डॉ वसुंधरा रॉय एवं नाइजीरिया से प्रो. सलिहु टी सलिहु ने रीडिंग मैटर्स यानि पढ़ना मायने रखता है विषय पर अपनी बात रखी। डॉ नीता ओझा ने गांधी को एक वृहद पाठक के रूप में प्रस्तुत करते हुए पढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का संयोजन और मंच संचालन डॉ वर्षा सिंह व नुसरत परवीन ने किया। मौके पर प्रो. अमरजीत सिंह, डॉ गोपाल शांडिल्य, प्रो. संजय सिन्हा, प्रो. संतोष कुमार, डॉ मीना मालखंडी, प्रो. दीपक कुमार, प्रो. दलजीत सिंह, प्रो. चिरंजीत अधिकारी, प्रो. पियूष अग्रवाल, प्रो. सोनू प्रसाद, प्रो. साधना सिंह, प्रो. अनुराधा, घनिष्ठा वर्मा, सुरभि कश्यप समेत अन्य सक्रिय रहे।

जीएन कालेज में मनाया गया वर्ल्ड बुक एंड कापीराइट डे

धनवाद : गुरुनानक कालेज के पुस्तकालय में शनिवार को वर्ल्ड बुक एंड कापीराइट डे मनाया गया। इस दौरान पुस्तक प्रदर्शनी, साहित्यिक प्रदर्शनी, ओपन माइक सेशन व डाक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग जैसे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कालेज के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने हिस्सा लिया। शासी निकाय के अध्यक्ष आरएस चहल, प्राचार्य डा. संजय प्रसाद, डा .वर्षा सिंह मौजूद थी। (जासं)

दैनिक भास्कर धनबाद 24-04-2022

वर्ल्ड बुक एंड कॉपीराइट डे पर हुए कई कार्यक्रम

एजुकेशन रिपोर्टर | धनबाद

गुरु नानक कॉलेज धनबाद के मुख्य पुस्तकालय द्वारा वर्ल्ड बुक एंड कॉपीराइट डे का आयोजन किया गया। वर्ष 1995 में यूनेस्को ने 23 अप्रैल को वर्ल्ड बुक एंड कॉपीराइट डे के रूप में मनाने का फैसला लिया था। तभी से यह दिन साहित्य के लिए ऐतिहासिक हो गया और हर वर्ष मनाया जाने लगा। 23 अप्रैल को ही कई जाने माने साहित्यकारों का जन्मदिवस और पुण्यतिथि होने के कारण इस तारीख की अहमियत बढ़ जाती है। महाविद्यालय के आयोजन में पुस्तक प्रदर्शनी, साहित्यिक प्रदर्शनी, ओपन माइक सेशन और डाक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग जैसे कार्यक्रम सम्मिलित थे। आयोजन का उद्देश्य लोगों को पढ़ने के प्रति प्रेरित करना था। इस वर्ष यूनेस्को द्वारा निर्धारित विषय "रीड ... सो यू नेवर फील अलोन", मतलब - "पढ़ें था, ताकि आप कभी अकेला न महसूस करें। प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने विषय प्रवेश किया और पढ़ने के प्रभाव और सार्थकता की बात कही।

धनबा

24.04.2

पुस्तकों की अहमियत पर बल

गुरुनानक कॉलेज में वर्ल्ड बुक एंड कॉपीराइट डे पर कार्यक्रम

कार्यक्रम में शामिल शिक्षक व अन्य. फोटो। प्रभात खबर

धनबाद. गुरुनानक कॉलेज धनबाद के मुख्य पुस्तकालय की ओर से वर्ल्ड बुक एंड कॉपीराइट डे का आयोजन किया गया. वर्ष 1995 में यूनेस्को ने 23 अप्रैल को वर्ल्ड बुक एंड कॉपीराइट डे के रूप में मनाने का फैसला लिया था. महाविद्यालय के आयोजन में पुस्तक प्रदर्शनी, साहित्यिक प्रदर्शनी, ओपन माइक सेशन और डाक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग जैसे कार्यक्रम सम्मिलित थे. इसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया. इस वर्ष यूनेस्को द्वारा निर्धारित विषय था "रीड, सो यू नेवर फील अलोन", मतलब - "पढ़ें, ताकि आप कभी अकेला न महसूस करें". कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत के बाद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने विषय प्रवेश कराया. अगले चरण में विद्यार्थियों ने ओपन माइक प्रस्तुति दी.

इसमें श्रेया सुराल, ज्योति जायसवाल, कुसुम कुमारी, सान्या नाज, अफ्शां परवीन, श्रुति श्रीवास्तव, अभिनंदन भंडारी, अरुणिमा कोनार, सृष्टि सिंह और स्वर्णिम डे शामिल थे. भारतीय उपन्यासकार और अनुवादक भास्वती घोष, भारतीय कवि और शिक्षाविद डॉ वसुंधरा रॉय एवं नाइजीरिया से प्रो सलिहु टी सलिहु ने "रीडिंग मैटर्स" यानि "पढ़ना मायने रखता है पर अपने विचार रखे. महाविद्यालय शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने पुस्तकों की अहमियत पर जोर दिया. डॉ नीता ओझा ने भी गांधी को एक वृहद पाठक के रूप में प्रस्तुत करते हुए पढ़ने की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किये. प्रो अमरजीत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यक्रम की परिकल्पना, संयोजन और मंच संचालन डॉ वर्षा सिंह एवं नुसरत परवीन ने किया. आयोजन में डॉ गोपाल शांडिल्य, प्रो संजय सिन्हा, प्रो संतोष कुमार, डॉ मीना मालखंडी, प्रो दीपक कुमार, प्रो दलजीत सिंह, प्रो चिरंजीत अधिकारी, प्रो पियूष अग्रवाल, प्रो सोनू प्रसाद, प्रो साधना सिंह, प्रो अनुराधा, घनिष्ठा वर्मा, सुरभि कश्यप, भूमि, श्रेया, अरांशा बरनवाल, कुसुम कुमारी, दीपक ने सक्रिय भूमिका निभायी.

प्रभात खबर Sun, 24 April 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/67630737